भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

राष्ट्रीय सहारा

दिनांक : 15.02.2019

गंगा को स्वस्थ रखने पर चिंतन शुरू

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

वाराणसी व गंगा नदी जो भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है, को ध्यान में रखते हुए आईआईटी (बीएचयू) के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'नदी स्वास्थ-आंकलन से पुर्नस्थापना' (आरएचएल-2019) विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ गुरुवार को स्वतंत्रता भवन में हुआ।

गोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रो. हार्वे पीगे निदेशक विज्ञान शोध संस्थान, लियोन (फ्रांस) द्वारा किया गया तथा उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रो. एसके सिन्हा द्वारा किया गया। शुभारंभ सत्र में प्रो. महेश्वरी वेस्टर्न यूनिवर्सीटी आस्ट्रेलिय, प्रो. मुकुन्द एस वावेल, एशियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजि विशिष्ट अतिथि रहे। स्वागत प्रो. प्रभात कुमार सिंह (संयोजक संगोष्ठी) तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. एसवी द्विवेदी (समन्वयक संगोष्ठी) ने किया। संचालन प्रो. वृन्द कुमार ने किया। नमामि गंगे, राष्ट्रीय गंगा सफाई अभियान, भारत सरकार व आईसी इम्पैक्ट कनाडा के साथ-साथ

आईआईटी, बीएचयू नदी स्वास्थ-आकलन से पुनर्स्थापना विषयक तीन दिवसीय संगोष्ठी शुरू

मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय इंजीनियरिंग संस्थान व राष्ट्रीय इंजीनियरिंग संस्थान पटना इस अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठी के सहभागी सदस्य है। नदी प्रदूषण, नदी स्वरूप व प्रवाह की गतिशीलता के नित्य विभिन्न आयामों पर गम्भीर चिंतन व मनन हेतु देश विदेश के लब्ध प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञ व इंजीनियरों ने इस गोष्ठी में भाग लिया। इस गोष्ठी में सम्मानित अतिथि के रूप में जल पुरुष राजेन्द्र सिंह एवं लब्ध प्रतिष्ठित शिक्षाविद प्रो. राजेश सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ कनाडा, डा. राकेश कुमार, निदेशक, सीएसआईआर, निरी, नागपुर, डा. वालिद महेंजी, फ्रांस आदि ने भी भाग लिया। नदी स्वास्थ्य आकलन और व पुनर्रस्थापना की संगोष्ठी में पांच विषय के अंर्तगत 11 तकनिकी सत्र व दो इण्टरएक्टिव सेशन होंगे जिसमें देश-विदेश से लगभग 200 वैज्ञानिक तकनिकी विशेषज्ञों द्वारा शोध कार्य एवं शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।